भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 134
जिसका उत्तर 21 जुलाई, 2015 को दिया जाना है

एचएमटी की इकाइयाँ

134. श्री बलका सुमन:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में संचालित एचएमटी इकाइयों की कुल संख्या कितनी है;

(ख) गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान देश में संचालित एचएमटी की कितनी इकाइयां घाटे में चल रही हैं और कितनी बंद हो गई हैं;

(ग) एचएचटी के कर्मचारियों के लिए कार्यान्वित की जा रही स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा देश में एचएमटी इकाइयों को पुनर्जिवित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क): एचएमटी लिमिटेड की देश के विभिन्न स्थानों में पांच सहायक कम्पनियां तथा 22 प्रचालनरत इकाईयां हैं।

(ख): एचएमटी (इन्टरनेशनल) लिमिटेड और एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड, कलमासेरी को छोड़कर एचएमटी की सभी इकाईयां हानि में चल रही हैं। विगत तीन वर्षो तथा चालू वर्ष के दौरान एचएमटी की किसी भी इकाई को बन्द नहीं किया गया है।

(ग): विगत तीन वर्षों के दौरान निम्नलिखित सहायक कम्पनियों में कर्मचारियों को वीआरएस उपलब्ध कराई गई:-

क्र.सं.	**कम्पनी**	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**
1	एचएमटी वाचिज लिमिटेड	124	51	-
2.	एचएमटी, चिनार वाचिज लिमिटेड	-	57	18
	योग	**124**	**108**	**18**

(घ): सीसीईए ने एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड, एचएमटी लिमिटेड के पुनरुद्धार और हानि में चल रही सहायक कम्पनियों नामत: एचएमटी वाचेज, एचएमटी चिनार वाचिज लिमिटेड और एचएमटी बियरिंग्स लिमिटेड को बन्द करने के लिए रूपरेखा अनुमोदित की है। इस संबंध में एक सीसीईए नोट अन्तर-मंत्रालयी परामर्श हेतु परिचालित किया गया है।

*****